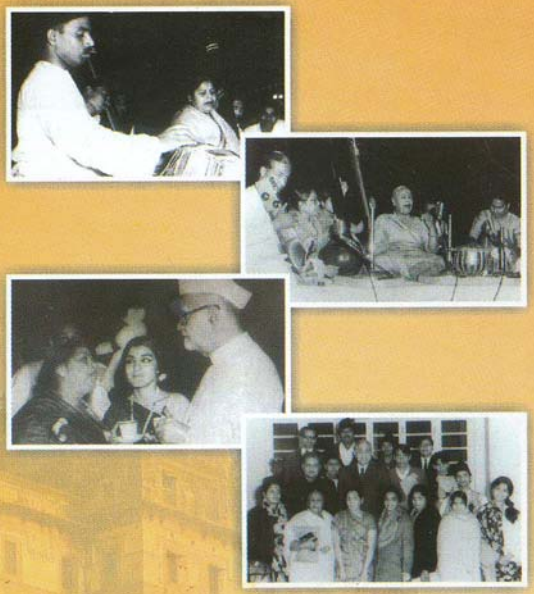

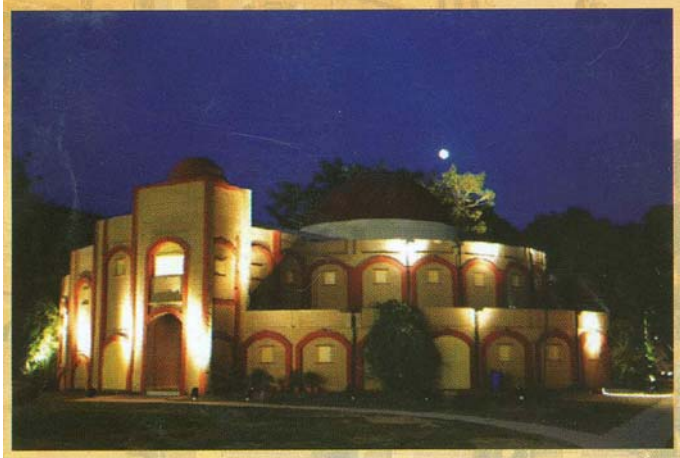

INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS
(An autonomus institute under Ministry of Culture, Govt. of India)

Head Office
11, Maan Singh Road, New Delhi-110001
Website: www.ignca.gov.in

Eastern Regional Centre
Parshwanth Vidyapeeth Campus
I.T.I. Road, Karaundi, Varanasi-221005
Phone: 2570169, 2570238
Email: igncavaranasi@gmail.com

व्याख्या केन्द्र

INTERPRETATION CENTRE

श्री हरिश्चन्द्र बालिका इण्टर कालेज, मैदागिन, वाराणसी

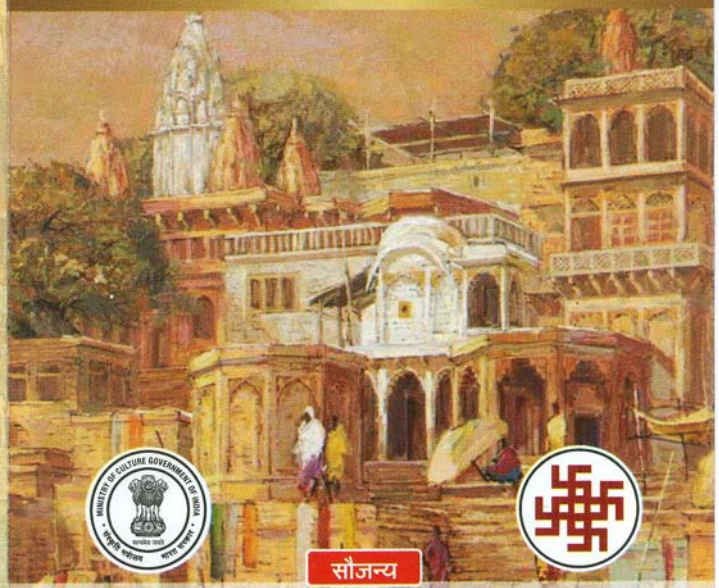

सौजन्य

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायत्त संस्थान)

INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS
(An autonomus institute under Ministry of Culture, Govt. of India)

Smt. Siddheshwari Devi
Hindustani Vocalist (1908-1977)

Smt. Siddheshwari Devi was one of the foremost exponents of the Banaras gharana of Hindustani vocal music. She was born on 8th of August, 1908 in an eminent musician's family. Her mother Chandabai was the younger daughter of famous vocalist Mainabai and Shyamji was her father.

Smt. Siddheshwari Devi was a child prodigy in the field of music. Braving a string of adversities in the formative stages of her life, she relentlessly worshipped music and attained fruition when she was initiated into music by the famous Sarangi maestro Pt. Siyaji Mishra. Later she trained under celebrated teachers such as Ustad Rajab Ali Khan of Dewas, UstadInayat Khan of Lahore and Pt. Bade Ramdas Mishra of Kashi, and established herself as a prominent exponent of different genres of Indian vocal music like Dhrupad, Khayal, Tappa, Thumri, Hori, Caiti, Kajari, Nirgun and Bhajan etc. She was a vocalist par excellence. She also acted in some films but the glamour of cinema failed to allure her and she came back to music. She was married to Pandit Iqbal Narayan of Gujranwala and had two kids from him—Shanta Devi and Savita Devi. Death of her husband in 1964 left her shattered and she relocated herself in Delhi, where her status grew manifold as a national artist.

Smt. Siddheshwari Devi, the gifted vocalist, received the Padma Shri award (civilian honour) by the Government of India in 1967. She was also conferred the distinguished award of the SangeetNatakAkademi in the same year. She was awarded Honorary D.Litt Degree in 1972 by RabindraBharati University; The same year she was also awarded the Asit Chandra Bagchi Memorial Medal by Suresh SangeetSamsad of Calcutta; Uttar Pradesh SangeetNatakAkademy award in 1974; Sahitya Kala Parishad award in 1975 and Sharang Dev Fellowship in 1977.

She travelled widely to Kabul, Dhaka, Europe, London, Rome and Denmark, etc. and everywhere, she left a deep imprint of her music on her audience.

She left for her heavenly abode on 18th March, 1977.

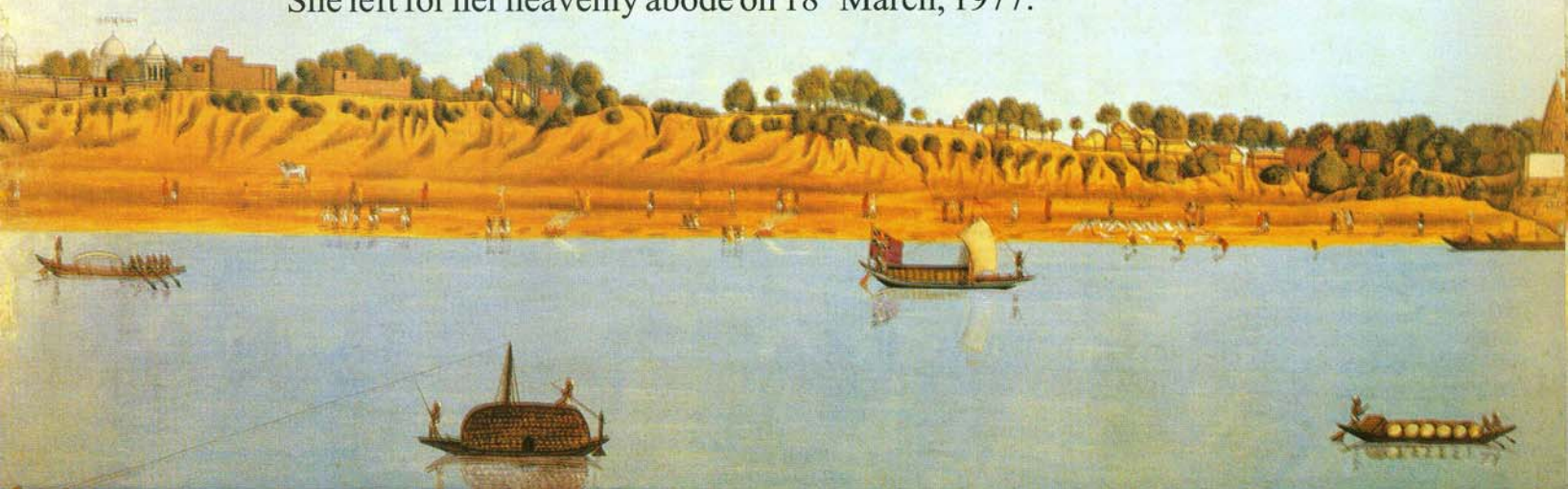

श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी
हिन्दुस्तानी गायिका (१९०८-१९७७)

श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी बनारस घराने की गायिका हैं और माँ सिद्धेश्वरी के रूप में ख्यातिलब्ध हैं। इनका जन्म ८ अगस्त १९०८ को बनारस के एक प्रसिद्ध संगीत घराने में हुआ। इनकी माता प्रसिद्ध गायिका मैनाबाई की छोटी पुत्री चन्दाबाई थीं और पिता का नाम श्यामजी था।

श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी में जन्मजात नैसर्गिक संगीत प्रतिभा विद्यमान थी। इसको उभारने के लिए उन्होंने तत्कालीन सारंगी के सुप्रसिद्ध विद्वान् वादक सिया जी मिश्र से शिक्षा ली और देवास के सुप्रसिद्ध विद्वान् गायक रजब अली खाँ, लाहौर के उस्ताद इनायत खाँ एवं काशी के गायनाचार्य पण्डित बड़े रामदास मिश्र से शिक्षा प्राप्त कर विविध विधाओं की गायिका के रूप में खुद को प्रतिष्ठित किया। ध्रुपद, खयाल, टप्पा, ठुमरी, होली, चैती, कजरी, निर्गुण, भजन तक की गायनशैली की पूर्ण पारङ्गत गायिका के रूप में बेहद लोकप्रिय थीं। उन्होंने कुछ सिनेमा में अभिनय का कार्य भी किया किन्तु उसमें आकर्षण न होने के कारण पुन: संगीत साधना में लग गयी। उनका विवाह गुजराँवाला के पंडित इकबाल नारायण से हुआ और उनको शान्ता देवी एवं सविता देवी नामक दो पुत्रियाँ हुई। १९६४ में उनके पति के देहान्त के बाद वे दिल्ली में रहने लगी और वहाँ उनकी ख्याति एक राष्ट्रीय कलाकार के रुप में स्थापित हुई।

अद्वितीय प्रतिभा की धनी सिद्धेश्वरी देवी को सन् १९६७ में भारत सरकार ने पद्मश्री उपाधि से सम्मानित किया। श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी का अभिनन्दन अनेकानेक सम्मान एवं उपाधियों से किया गया। जिसमें कुछ प्रमुख हैं :-संगीत नाटक अकादमी, दिल्ली (१९६७), रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कलकत्ता (डी.लिट् की उपाधि, १९७२), सुरेश संगीत संसद, कलकत्ता (असित चन्द्र वागची स्मारक उपाधि, १९७२), संगीत नाटक अकादमी, उत्तर प्रदेश (१९७४), साहित्य कला परिषद् (१९७५), सुर सिंगार अकादमी, बम्बई से (सारंग देव छात्रवृत्ति १९७७)।

इनका देहान्त १८ मार्च १९७७ को हुआ।

Activities of Interpretation Centre Based on Siddheshwari Devi

Academic activities:

- Talent-hunt amongst students: Competition based on the theme on half yearly/annual basis and award of cash prize to students as encouragement.
- Organization of thematic lectures on half yearly/annual basis.
- Declamation contest for personality development of students.
- Organization of Annual painting competition.
- Taking students out on academic excursions to bring out their hidden talents and alleviate there inherent inhibitions.
- To train and to provide platform to interested students in the music traditions of Banaras Gharana with special reference to Smt. Siddheshwari Devi.
- To prepare suitable candidates for CCRT scholarship.

Cultural activities:

- Preparing cultural information board.
- To organize cultural programs by eminent performers from the musical tradition of Smt. Siddheshwari Devi, in order to create awareness and interest in the students.
- To set-up an exhibition comprising :
  - i. Theme related books.
  - ii. Audio/Video collections.
  - iii. Multimedia Kiosk etc. for facilitating the A/V.
  - iv. To provide open and free exhaustive information at one place regarding musical tradition of Smt. Siddheshwari Devi to tourists/students.

Non academic activities:

- To encourage students for creating a green and clean school campus.
- To organize such programs by which the students are initiated into character building, skill development and social responsibility.

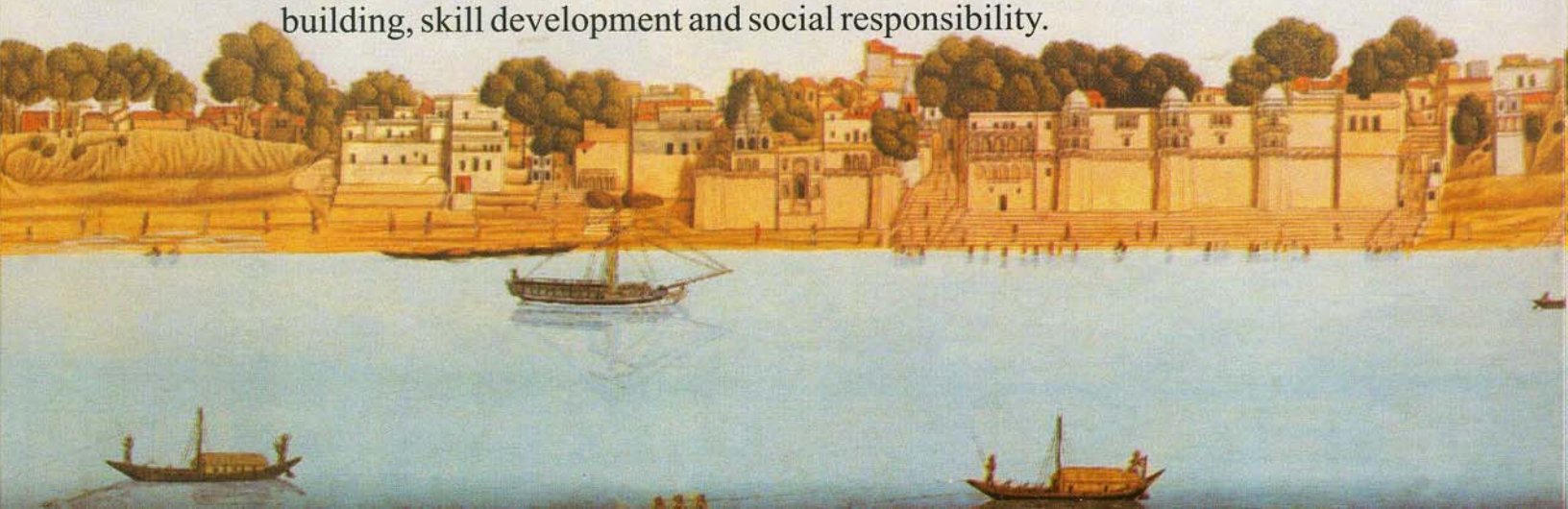

व्याख्या केन्द्र, सिद्धेश्वरी देवी की गतिविधियाँ

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- छात्रवर्ग से प्रतिभा की खोज : विषय से सम्बन्धित प्रतिभा-खोज प्रतियोगिता का अर्द्धवार्षिक/वार्षिक आयोजन करना तथा छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए नगद पुरस्कार प्रदान करना।
- विषय सम्बन्धित अर्द्धवार्षिक/वार्षिक व्याख्यान का आयोजन करना।
- छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन करना।
- वार्षिक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन करना।
- छात्रों के अन्तर्निहित प्रतिभा को जागृत करने के लिए तथा आन्तरिक झिझक को दूर करने के लिए विद्यालय परिसर से बाहर शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाना।
- श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी की संगीत परम्परा के अविच्छिन्न प्रवाह को बनाये रखने के लिए उत्साही छात्र/छात्राओं को प्रशिक्षित करना तथा उनको उपयुक्त मंच प्रदान करना।
- योग्य विद्यार्थियों को सी.सी.आर.टी. छात्रवृत्ति के लिए प्रेरित करना/तैयार करना।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ :

- सांस्कृतिक सूचनापट्ट का निर्माण करना।
- श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी की संगीत शैली/घराना से जुडे विद्वानों/विदुषियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर उत्साही छात्र/छात्राओं के मन में संगीत के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।
- संग्रहालय की स्थापना करना और इसमें निम्नलिखित सामग्रियों का एकत्रीकरण करना। जैसे-
  - क) विषय से सम्बन्धित पुस्तकों का संग्रह।
  - ख) श्रव्य-दृश्य उपकरणों का संग्रह।
  - ग) श्रव्य-दृश्य उपकरणों को छात्रों/पर्यटकों को सुनाने तथा दिखाने के लिए यान्त्रिक उपकरणों की व्यवस्था करना।
  - घ) पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी की संगीत शैली/घराना के विषय में विस्तृत जानकारी अंकित करना।

गैर शैक्षणिक गतिविधियाँ :
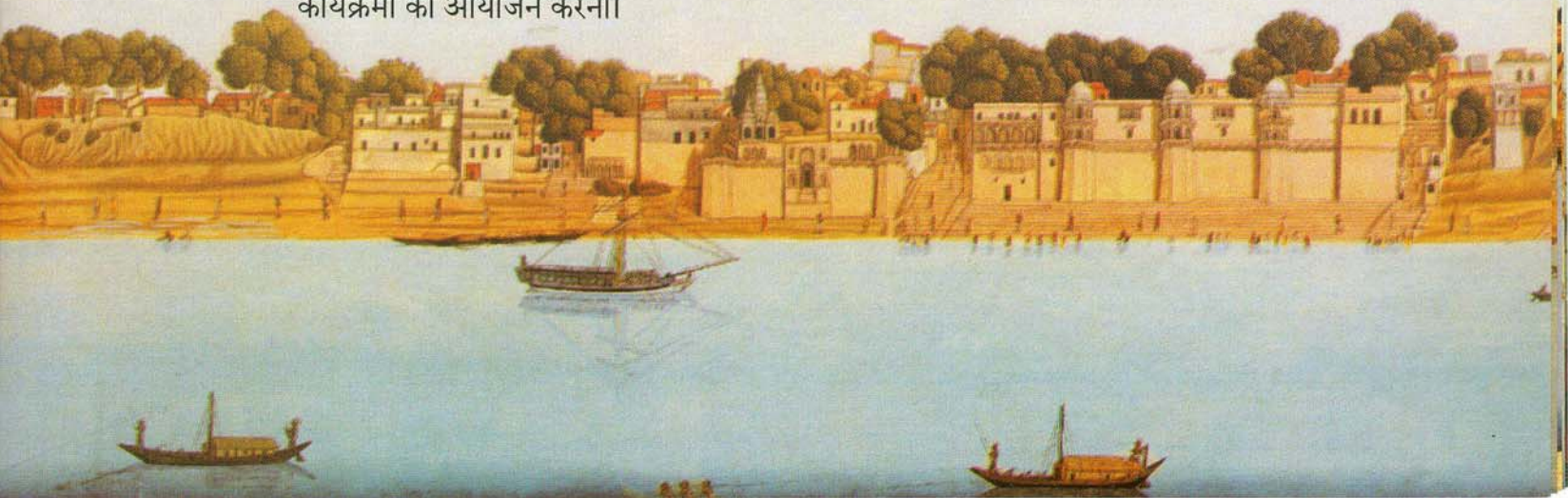
- विद्यालय परिसर को स्वच्छ तथा सुन्दर बनाने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित कर वृक्षारोपणादि कार्य हेतु प्रेरित करना।
- छात्रों के नैतिक मनोबल को बढ़ाने के लिए तथा सामाजिक चेतना को जागृत करने के लिए तत्सम्बन्धित कार्यक्रमों का आयोजन करना।